

## RAJYA SABHA

Friday, the 19th December 1968  
Agrahayana, 1891 (Saka)

The House met at eleven of clock, MR.  
CHAIRMAN in the CHAIR.

### . ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

जयपुर से ट्रंक काल

\*675. श्री सुन्दर सिंह भंडारी :

श्री पीतांबर दास :

श्री ना० कृ० शेजवलकर :

क्या सूचना तथा प्रसारण और संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 17-9-68 से 24-9-68 तक जयपुर से नागपुर, जयपुर से भोपाल, जयपुर से उदयपुर, जयपुर से बम्बई और जयपुर से सवाई माधोपुर को कितने आर्डिनरी ट्रंककाल बुक किये गये;

(ख) 4-6-69 से 8-6-69 तक जयपुर से उपरोक्त भाग (क) में उल्लिखित स्थानों को कितने आर्डिनरी ट्रंक काल बुक किये गये;

(ग) उपरोक्त भाग (क) तथा (ख) में उल्लिखित कालों में से कितनी कालों में 5 मिनट के अन्दर बात हो गई; और

(घ) किस-किस नम्बर के टेलीफोन को उपर्युक्त भाग (ग) में उल्लिखित लाभ 5 बार से अधिक मिला और ये टेलीफोन किन के पास हैं ?

#### TRUNK CALLS FROM JAIPUR

\*675. SHRI SUNDAR SINGH  
BHANDARI:!

SHRI PITAMBER DAS :

SHRI N. K. SHEJWALKAR

Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING AND COMMUNICATIONS be pleased to state :

(a) the number of ordinary trunk calls booked from Jaipur to Nagpur, Jaipur to Bhopal, Jaipur to Udaipur, Jaipur

t The question was actually asked on the floor of the House by Shri Sundar Singh Bhandari.

J [ ] English translation. 1—5

RS/70

to Bombay and from Jaipur to Sawai Madhopur from 17-9-68 to 24-9-68;

(b) the number of ordinary trunk calls booked from Jaipur to all the places mentioned in part (a) above from 4-6-69 to 8-6-69;

(c) the number of such calls from amongst he calls mentioned in parts (a) and (b) above which materialised within 5 minutes; and

(d) the telephone numbers which got the benefit mentioned in part (c) above on more than 5 occasions along with the names of the owners of such telephones ?]

J [THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND

सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय और संचार विभाग में राज्य मंत्री (प्रो० शेर सिंह): (क) 17-9-68 से 24-9-68 तक की अवधि के ट्रंक काल टिकट विभागीय नियमों का पूरा-पूरा पालन करते हुए नष्ट कर दिये गए हैं, क्योंकि इन नियमों के अनुसार ऐसे टिकटों को बिल जारी करने के 6 महीने बाद तक ही सुरक्षित रखा जाना चाहिए। इसलिए अपेक्षित सूचना नहीं दी जा सकती।

(ख) जयपुर से नागपुर के लिए—कोई नहीं।  
जयपुर से भोपाल के लिए—कोई नहीं।  
जयपुर से उदयपुर के लिए—155  
जयपुर से बम्बई के लिए—311  
जयपुर से सवाई माधोपुर के लिए—74

(ग) (1) ऊपर भाग (क) के उत्तर को मुद्देनजर रखते हुए 17-9-68 से 24-9-68 तक की सूचना उपलब्ध नहीं है।

(2) 4-6-69 से 8-6-69 की अवधि के दौरान केवल 30 कालों में 5 मिनट के अन्दर-अन्दर बात हो गई।

(घ) 17-9-68 से 24-9-68 की अवधि की सूचना उपलब्ध नहीं है। 4-6-69 से 8-6-69 तक की अवधि के लिए उत्तर नकारात्मक है।  
BROADCASTING AND IN THE DEPARTMENT OF COMMUNICATIONS (PROF. SHER SINGH) : (a) Trunk Call Tickets for the period from

17-9-68 to 24-9-68 have been destroyed in strict observance of the Departmental rules according to which such Tickets are to be preserved for six months only after issue of bills. Accordingly, information asked for cannot be furnished.

|                          |     |
|--------------------------|-----|
| (b) Jaipur to Nagpur     | Nil |
| Jaipur to Bhopal         | Nil |
| Jaipur to Udaipur        | 155 |
| Jaipur to Bombay         | 311 |
| Jaipur to Sawai Madhopur | 74  |

(c) (i) In view of reply at (a) above the information for the period from 17-9-68 to 24-9-68 is not available.

(ii) During the period from 4-6-69 to 8-6-69 only  $3^{\circ}\text{C}^{\circ}\text{H}^{\circ}$  materialised within 5 minutes.

(d) For the period 17-9-68 to 24-9-68 no information is available. For the period 4-6-69 to 8-6-69, the answer is nil.]

**श्री सुन्दर सिंह भंडारी :** श्रीमान्, मुझे खुशी है कि कम से कम मंत्री महोदय ने आज केवल एक लाइन का जबाब नहीं दिया कि सूचना एकत्र की जा रही है लेकिन दूसरा एक तर्क दे दिया कि रिकार्ड खत्म हो गया इसलिये इसके बारे में जानकारी नहीं दी जा सकती। दोनों मिला कर मतलब एक ही होता है।

**श्री सभापति :** अब आप सवाल कीजिये।

**श्री सुन्दर सिंह भंडारी :** मेरा सरकार से पूछना है कि जो अंतिम भाग (घ) के जबाब में कहा कि उत्तर नकारात्मक है तो क्या वह इस बात की जानकारी करेंगे कि कुछ टेलीफोन नम्बर्स, कुछ सन्सक्राइवर्स, जयपुर के ऐसे हैं, मसलन 73993, 74364, 64270, 72934, 72318, 72575—मैंने केवल कुछ नमूने के टेलीफोन नम्बर्स बताये हैं और इसमें विशेष आपत्ति इसलिए है कि इनमें से कुछ टेलीफोन नम्बर्स जो टेलीफोन एडवाइजरी कमेटी के मेम्बर्स हैं उनके हैं या कोई महोदय बड़े बिजनेस टाइकून हैं उनके हैं या कुछ मिनिस्टर्स के हैं, इन टेलीफोन नम्बर्स से बुक किये जाने वाले काल चाहे वह जयपुर से नागपुर के हों, चाहे वह जयपुर से उदयपुर के हों, चाहे वह जयपुर

से भोपाल के हों या सवाई माधोपुर के हों, रिकार्ड में आर्डिनरी काल दिखा कर एक मिनट में, दो मिनट में या पांच मिनट में पूरे हो जाते हैं जब कि साधारणतः इन आर्डिनरी काल्स के मिलने में कम से कम दो घंटे और कभी कभी छः घंटे तक का समय लगता है। मेरा यह आक्षेप है कि वहाँ के पी० एम० जी०, राजस्थान के पी० एम० जी० श्री दलजिंदर सिंह ने आपरेटर्स को इंस्ट्रक्शंस दे रखे हैं,—पिछले साल हमने यह सवाल उठाया था कि क्या स्पेशल इंस्ट्रक्शंस दिये गये हैं—कुछ टेलीफोन सन्सक्राइवर्स के लिये आपरेटर्स को विशेष ध्यान रखने के लिये कहा है, और किसी भी आधार पर उनकी काल्स को, चाहे लाइटेनिंग, काल माना जाय चाहे इम्मीडिएट काल माना जाय चाहे प्रायोरिटी काल हों लेकिन आर्डिनरी चार्ज कर के एक मिनट में या दो मिनट में उनको मिला दिया जाय। तो सरकार इस सारे रिकॉर्ड की जानकारी करे। पिछले हफ्ते भी कलर्ड टेलीफॉन्स की बात यहां उठी थी और आपने ऐसा आदेश भी दिया था कि उसकी जानकारी इस सदन में इस सेशन के समाप्त होने के पहले दी जाय। मैं समझता हूँ कि मिनिस्टर साहब के लिये आज का आखिरी दिन है, शायद एक दिन और बचा है, और जो यह जानकारी इस सेशन में मिलने की बात कही गई है उसके साथ साथ मेरा यह कहना है कि इसकी जांच करें कि जयपुर का टेलीफोन का डिपार्टमेंट इस न्यूज को सप्रेस कर रहा है, वहाँ बारह-बारह साल से लोग विधवाउट ट्रांसफर रखे जा रहे हैं...

**श्री सभापति :** आप सवाल कीजिये।

**श्री सुन्दर सिंह भंडारी :** इसलिये मैं यह जानना चाहूंगा कि क्या आपको इस बात की जानकारी मिली है कि कुछ टेलीफोन नम्बर्स को विशेष सुविधा प्रदान करने के इंस्ट्रक्शंस वहाँ पर दिये गये हैं और इसलिये सरकारी खजाने को जो चारगुना और दसगुना पैसा मिलना चाहिये वह आर्डिनरी काल्स के रूप में कम वसूल हो रहा है।

**प्रो० शेर सिंह :** माननीय सदस्य ने जो नम्बर दिये हैं उनके सम्बन्ध में जरूर जांच करवा लेंगे लेकिन जो मेरे पास सूचना है उन दिनों की जिन दिनों की सूचना उपलब्ध है उनसे कोई ऐसी बात

नहीं मालूम होती कि कोई खास ऐसे नम्बर हैं जिनके बारे में कोई ऐसी बात हो। ये 30 काल्स जो कि पांच मिनट के अन्दर अन्दर मिले हैं उनको देखने से पता चलता है कि एक ही नम्बर की वह बारबार नहीं मिली है। मिनिस्टर्स के लिये आपने कहा तो जहाँ तक उसकी बात है 30 में से केवल 1 काल मिनिस्टर की है और 2 पार्लियामेंटरी सेक्रेटरी के नाम से है जो कि पांच मिनट के अन्दर अन्दर मिली हैं, बाकी दूसरे अलग अलग लोगों की हैं, अलग अलग लोगों के नाम से मिली हैं, एक आदमी नहीं हैं, इन 30 में कोई 16 या 17 के करीब अलग अलग सम्बन्धित हैं जिनके नाम से हैं। तो ऐसी कोई बात इससे तो मालूम नहीं होती लेकिन आपने जो बात कही और जो नम्बर दिये हैं उसके सम्बन्ध में मैं जांच करवा लूंगा।

**श्री सुन्दर सिंह भंडारी :** श्रीमन्, मेरा दूसरा सवाल है। मेरा दूसरा सवाल यह है कि क्या आप इन रिकार्ड्स को जो कि अब उपलब्ध हैं जांच पूरी होने तक रखेंगे। अगर छः महीने का पीरियड निकल गया और रिकार्ड डिस्ट्राय हो गया तो फिर क्या होगा? क्या आप इस बात की सावधानी बरतेंगे कि अब जयपुर ट्रंक एक्सचेंज में जो सारे रिकार्ड्स इसके हैं वह आपकी जांच पूरी होने तक, इस सम्बन्ध में पूरी जानकारी प्राप्त होने तक, रिटेन किये जायेंगे और साधारण नियम के अनुसार छः महीने के बाद जो उन्हें आप समाप्त कर देते हैं उस तरह से वह समाप्त नहीं किये जायेंगे और यह समस्त जानकारी उसके आधार पर प्राप्त की जायेगी। क्योंकि पता नहीं कि आप यह जानकारी कब करेंगे और कब जवाब देंगे और जिस तरह से कि 1968 का रिकार्ड खत्म हो गया उसी तरह से 1969 का रिकार्ड भी न समाप्त कर दिया जाय। इसलिये आप इमीडियेटली यह इंस्ट्रक्शन देने की कृपा करें कि ये रिकार्ड्स रिटेन किये जायेंगे, डिस्ट्राय नहीं किये जायेंगे और यह जानकारी जो टेलीफोन नम्बरों में बताये हैं उनके सम्बन्ध में प्राप्त की जायगी और वहां पर पूरी जांच कर के इसका पता लगाया जायगा। यह एक फैक्ट है कि इन टेलीफोन नम्बरों से इस तरह किया गया और दूसरी कालों की बनिस्बत

अधिक जल्दी मिलती है और आर्डिनरी के तौर पर उसको ट्रीट किया जाता है। तो आप इस सम्बन्ध में आवश्यक कदम उठावें।

**प्रो० शेर सिंह :** सभापति महोदय, पी० एंड टी० मैन्युअल, वाल्यूम 14, नियम 93 के तहत छः महीने के बाद जब बिल दे दिये जाते हैं तो उनको डिस्ट्राय कर देते हैं। उसमें कोई गायब कर देने की बात नहीं, ऐसी बात नहीं, यह शक निराधार है कि गायब कर दिया जाता है। तो जिसको छः महीना नहीं बीता है उनके सम्बन्ध में ...

**श्री सुन्दर सिंह भंडारी :** पहले का गायब हो गया।

**प्रो० शेर सिंह :** ... माननीय सदस्य ने जो कहा है, जो नम्बर आपने अभी बताये हैं, उनके सम्बन्ध में जरूर जांच करवाऊंगा। जो छः महीने से कम के हैं वह डिस्ट्राय नहीं हुये और डिस्ट्राय होने के पहले ही, उस समय के पहले ही, हम जांच करवा लेंगे।

**श्री ना० कृ० शेजवलकर :** श्रीमन्, मेरा प्रश्न यह है कि टेलीफोन के नियमों के अनुसार जो आपने प्रायरिटीज की कैटेगरीज बना रखी हैं, आर्डिनरी, अरजेंट, लाइटनिंग या इमीडिएट काल वगैरह जो हैं उनके अतिरिक्त क्या किसी ओहदे के आधार पर, आफिस की बेसिस पर, कोई प्रायरिटी भी आपने निर्धारित की है कि अगर उन लोगों की आर्डिनरी काल भी हो तो उसमें वी० आई० पीज० को प्रिफरेंस दिया जाता है या कोई मिनिस्टर को प्रिफरेंस दिया जाता है और अगर यह नहीं है तो क्या यह बात सही है। कि मिनिस्टर्स और जो अधिकारी लोग हैं वह अपने आफिस का दुरुपयोग करते हुये आर्डिनरी काल्स को भी इस एक्सचेंज में व्यक्तिगत रूप से प्रभाव डाल कर और जो दूसरे तरीके होंगे उन तरीकों से प्रभाव डाल कर उनको जल्दी से लगवा लेते हैं।

और इसके कारण दो बातें होती हैं, एक तो सरकारी आय की हानि तो होती ही है साथ ही साथ यह भी दिखाने का मौका मिलता है कि

सरकार में बैठे मिनिस्टर्स ने जो टेलीफोन काल्स वगैरह किये होंगे, जैसा कि अभी सवाल पैदा हुआ है, उनमें लाखों रुपये खर्च नहीं हुए। इसलिये पूछ रहा हूँ कि इसके गावं में कोई प्रयास किया जाता है या नहीं।

**प्रो० शेर सिंह :** काल्स के लिये जैसा आपने स्वयं कहा, प्रायरिटीज तो होती हैं। आर्डिनरी काल्स से पहले अर्जेंट काल मिलेगा और इमीडिएट कॉल अर्जेंट कॉल से पहले मिलेगा। तो उनकी अपनी अपनी सबकी प्रायरिटीज हैं। लेकिन किसी एक वक्त अगर कोई व्यक्ति को आर्डिनरी कॉल डिफरेंट टाइम के लिये करना होता है तो उस हिसाब से पीछे मिलेगा, पहले नहीं मिलता है। अगर माननीय सदस्य के पास कोई ऐसी शिकायत है कि किसी ने बाद में भी कॉल बूक करवाई और उसको पहले मिल गई तो उसकी जांच करवाई जा सकती है।

**श्री अनन्त प्रसाद शर्मा :** सभापति महोदय, जयपुर के अलावा मैं एक बहुत महत्वपूर्ण सवाल दूसरी जगहों के संबंध में करना चाहता हूँ...

**श्री सभापति :** नहीं। दूसरी जगहों के संबंध में नहीं हो सकता...

**श्री अनन्त प्रसाद शर्मा :** ट्रंक कॉल के संबंध में जो नोटिस दिया जाता है, बिल्स वगैरह पेमेन्ट करने के लिये, उसमें पहले नोटिस दिया जाता है।

**श्री सभापति :** आप अपना सवाल करिये फिर मैं बताऊँ इससे अराइज होता है या नहीं।

**श्री अनन्त प्रसाद शर्मा :** पहले नोटिसेज कॉल के संबंध में लोगों को दिये जाते थे, अब यह तरीका बंद कर दिया गया है। कुछ लोगों का थोड़ा सा पैसा भी अगर बाकी रहता है तो उनका कनेक्शन काट दिया जाता है जब कि कुछ दूसरे लोगों का बहुत ज्यादा पैसा भी बकाया रहता है तो उनका टेलीफोन बिल ठीक तौर से जाता रहता है।

कभी कभी चेक्स से पेमेन्ट होता है उसमें भी वह अपनी ही गलती की वजह से टेलीफोन को डिस्कनेक्ट कर देते हैं। तो, सभापति महोदय, मैं यह कहना चाहता हूँ कि जयपुर हो या दूसरी जगह हो, जयपुर के संबंध में भी कहना चाहता हूँ, कि ट्रंक काल के संबंध में पहले जो प्रथा थी नोटिस देने की, कनेक्शन काटने से पहले पेमेन्ट करने के नोटिस की, क्या मंत्री महोदय उसके ऊपर गौर करेंगे और उसको ठीक करने की कोशिश करेंगे।

**श्री सभापति :** आप उसका जवाब देना चाहते हैं या नहीं?

**श्री राजनारायण :** बड़ा जरूरी प्रश्न है।

**श्री सभापति :** आपसे मैं नहीं पूछ रहा हूँ।

**प्रो० शेर सिंह :** आपने आदेश दिया है इसलिये मैं उत्तर दे रहा हूँ। नोटिस तो अब भी देते हैं, और अब एक बात और भी करते हैं कि काटने से पहले टेलीफोन भी करते हैं ताकि मालूम हो जाय।

**श्री० प्रेम मनोहर :** मंत्री महोदय को शायद मालूम नहीं है कि यह बिल्कुल निश्चित बात है कि नोटिस बिल्कुल नहीं आता है।

MR. CHAIRMAN : Please let him answer.

**प्रो० शेर सिंह :** आप सुन लीजिए। आजकल यह भी किया है कि टेलीफोन काटने से पहले सब्सक्राइबर को टेलीफोन भी करते हैं, इसलिये कि यह मालूम हो जाये कि उनके पास सूचना पहुंची कि नहीं पहुंची। कई दफा ऐसा होता है कि चिट्ठी नहीं पहुंची और शिकायतें आती हैं कि चिट्ठी नहीं मिली। इसलिये आजकल टेलीफोन भी करते हैं ताकि उनको जबानी कह सकें कि देखिये आपका पैसा नहीं आया, आपका कनेक्शन काटने वाला है इसलिये कृपा करके दो दिन के अंदर पैसा भेज दीजिए तो टेलीफोन कनेक्शन नहीं कटेगा।

**श्री राजनारायण :** श्रीमान्, मैं एक निवेदन कर रहा हूँ। मेरा निवेदन है...

**प्रो० शेर सिंह :** तो अगर कोई ऐसी शिका-  
यत ह, अगर वह मेरे पास भेजी जायगी तो  
मैं जांच करा दूंगा।

**श्री राजनारायण :** मंत्री जी जो कुछ कह  
रहे हैं, मैं चाहता हूँ वह उसको वेरीफाई करके  
कहें, क्योंकि मैं भुक्तभोगी हूँ। हमारे टेलीफोन  
का बनारस, लखनऊ पता नहीं कहाँ कहाँ  
नोटिस जाता है, पता नहीं कब टेलीफोन काट  
जायेंगे। जब उनको 50 रु० दीजिए, कनेक्शन  
मिल जाता है।

मेरा एक वैलिड प्वाइन्ट है। मंत्री महोदय  
ने कहा कि छः महीने तक बिल खत्म कर दिया  
जाता है, मगर फिर दो दो साल का बिल कैसे  
वसूल होता है ?

**श्री समापति :** मैं आपको काल नहीं कर  
रहा हूँ। मैंने तो आपको काल नहीं किया  
है। श्री सी० डी० पांडे।

**श्री राजनारायण :** आप किसी को भी  
पूछने तो दीजिए।

SHRI C. D. PANDE : Sir, about  
four days back I put a Short Notice Question  
to the effect that the telephone bills on all  
telephone connections of the Prime Minister  
during the month of August, 1969

MR. CHAIRMAN : I do not allow this.

SHRI C. D. PANDE : I will explain to you  
how it arises.

MR. CHAIRMAN : No, no.

**श्री राजनारायण :** श्रीमन्, प्वाइन्ट आफ  
आर्डर। एक यहाँ पर रूल बना दिया जाय  
कि जहाँ कहीं प्राइम मिनिस्टर का नाम आयेगा,  
कोई सवाल नहीं पूछा जा सकता है।

MR. CHAIRMAN : I give the ruling that  
this is out of order.

SHRI C. D. PANDE : I sought to elicit  
information regarding the telephone bills  
during the month of August 1969 on all  
telephone connections of the Prime Minister,  
her Private Secretaries and P.As and all the  
Ministers and Deputy Ministers ...

MR. CHAIRMAN : No, Mr. Pande. SHRI  
G. D. PANDE : ...Please listen... MR.  
CHAIRMAN : I have heard.

SHRIMATI LALITHA (RAJAGOPA-  
LAN) : Mr. Chairman, on a point of  
order...

**श्री सुन्दर सिंह भंडारी :** श्रीमन्, जब श्री  
ए० पी० शर्मा जी ने सवाल किया था क्या  
उस वक्त प्वाइन्ट आफ आर्डर आया।

(Several hon. Members stood up in their seats)

MR. CHAIRMAN : Please sit down. First I  
will listen to her.

SHRIMATI LALITHA (RAJAGOPA-  
LAN) : Sir, the question pertains only to the  
ordinary trunk calls from Jaipur to Nagpur and  
other places. It has nothing to do with the issue  
raised by Mr. C. D. Pande... (Interruptions)  
Mr. Chairman you have got to listen to me.  
The Ministers' Salaries and Allowances  
(Amendment) Bill is coming. Mr. C. D. Pande  
has got a chance then to put this question...

SHRI C. D. PANDE : No, no. My question  
is relevant in the sense...

SHRIMATI LALITHA (RAJAGOPA-  
LAN) : Mr. Chairman, you should not allow  
this question.

SHRI C. D. PANDE : I have to refute the  
allegation made...

MR. CHAIRMAN : No, no! You should sit  
down. I have ruled it out of order. You cannot  
give explanation by putting supplementaries  
during the Question Hour.

**श्री ना० कृ० शेखवलकर :** मेरी प्रार्थना यह  
है कि अभी इससे पहले हमारे एक माननीय  
सदस्य ने प्रश्न पूछा था। आपने उस पर यह  
कहा कि यह रिलेवेन्ट नहीं है। लेकिन आपको  
चाहिये कि पहले प्रश्न को सुन लें और सुनने  
के बाद निर्णय दें। प्रश्न सुनने के बाद ही आप  
फरमा सकते हैं कि प्रश्न संबंधित है, उचित  
है, या नहीं है। मगर बगैर सुने ऐसा कैसे कह सकते  
हैं मेरी समझ में नहीं आया। तो मेरी बात  
पहले सुन ली जाये। (Interruption) अगर  
हल्लागुल्ला करनेकी बात है तो मैं भी हल्ला-  
गुल्ला करके क्वेश्चन कर सकता हूँ।

I must be given a hearing...

MR. CHIRMAN : I have given my ruling, please. I do not want to hear anything more.

SHRI MAN SINGH VARMA : Without hearing how can you rule it out?

**श्री ना० कृ० शेजवलकर :** सभापति महोदय मेरा निवेदन है कि आप चाहे निर्णय कोई लें मगर बगैर सुने कैसे यह कर सकते हैं।

**श्री अनन्त प्रसाद शर्मा :** मेरा क्वेश्चन

MR. CHAIRMAN : This is the same question. Nothing else. Please sit down.

**श्री ना० कृ० शेजवलकर :** जहां प्रधान मंत्री का नाम आ जाये तो कह दिया जाता है इस सवाल से नहीं उठता ...

**श्री प्रेम मनोहर :** प्रधान मंत्री का नाम आता है तो सब चीज डिस्अलाउड है।

**श्री सान सिंह वर्मा :** श्रीमन्, आगे के लिये व्यवस्था कर दी जाये कि प्रधान मंत्री का नाम आयेगा तो क्वेश्चन नहीं आयेगा। विदाऊट हियरिंग द क्वेश्चन हाऊ केन यू से।

MR. CHAIRMAN : Please sit down.

**क्या आप इसी में टाइम ले लेंगे।** I have ruled it out of order.

SHRI C. D. PANDE : ... I had put a Short Notice Question regarding the telephone calls made by Mrs. Gandhi and I was accused of making wild allegations. ...

MR. CHAIRMAN : This is not the time. Here the question relates to trunk calls from Jaipur. Dr. Antani.

DR. B. N. ANTANI : My question is very simple but important. For months now I have been complaining in the House with regard to the inordinate delays in getting trunk calls between Delhi and Kutch, Kandla and Bhuj. For eleven days I have been confined in the Willingdon Hospital on account of heart ailment. My children were anxious to hear the news about my illness. I booked a trunk call for Bhuj at 7 o'clock. For 26 hours I had no answer whatsoever. Some swallows

were chirping on the telephone. Well, I am too old to appreciate the voices. ...

MR. CHAIRMAN : Please put a relevant question.

DR. B. N. ANTANI : I shall be very brief but it is very important. Kindly listen. Some girl started asking me, "What is Bhaja? Where is Buchhar?"

MR. CHAIRMAN : I cannot allow.

DR. B. N. ANTANI : This is very important. Sir, this is not a question between the Prime Minister and Mr. C. D. Pande but this is a question of national importance relating to a port like Kandla I had booked a call at 6-30 ...

MR. CHAIRMAN : I rule this out of order; you are not putting a question.

DR. B. N. ANTANI : in the evening for Bombay and I have not yet got a reply ...

MR. CHAIRMAN : Next question.

DR. B. N. ANTANI : Sir, my prayer is that, let the two Ministers, Mr. Sinha and Mr. Gujral, stand by my side and verify the fact...

MR. CHAIRMAN : All right, I have called the next question. Mr. Bhargava.

**श्री राजनारायण :** श्रीमन्, हमारा एक प्वाइन्ट आफ आर्डर सुनेंगे।

**श्री सभापति :** इस सवाल पर 20-22 मिनट हो गये हैं।

**श्री राजनारायण :** मैं आप से बहुत अदब के साथ निवेदन करना चाहता हूँ विनम्रता के साथ निवेदन करना चाहता हूँ कि सदन में एक ही प्रथा चलनी चाहिये। मैं समझ सकने में असमर्थ हूँ और हमारी बुद्धि समझ सकने में असमर्थ हो रही है और इसीलिए मैं आप से प्रकाश चाहता हूँ। अभी श्री ए० पी० शर्मा जी ने जिस तरह से ट्रंक कॉल्स बिस् के आने के बारे में कहा कि किस तरह से वे आते हैं और फिर उसके बाद टेलिफोन काट दिये जाते हैं। इस पर हम सवाल पूछ सकते हैं।

MR. CHAIRMAN : No, no, please sit down.

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : मैंने जयपुर के बारे में सवाल पूछा था।

श्री राजनारायण : मंत्री के जवाब से यह निकलता है कि क्या प्राइम मिनिस्टर के फोन का बिल सदन में पेश होगा। यह चार्ज है और एक मेम्बर के बारे में ...

MR. CHAIRMAN : Please sit down. That is no point of order.

श्री राजनारायण : आपकी व्यवस्था क्या है। देखिये, प्राइम मिनिस्टर का नाम लेने से सैनिकी नहीं होना चाहिये। प्राइम मिनिस्टर इज प्राइममिनिस्टर।

श्री राजनारायण : आप इस बारे में व्यवस्था दीजिये कि क्या प्राइमिनिस्टर का नाम लेना गुनाह है।

own ? प्राइम मिनिस्टर का नाम लिया जायेगा क्योंकि उसने 10 लाख रुपया खर्च किया है और यहां पर झूठा बयान दिया है।

*Interruption*

श्री समापति : आप बैठ जाइये।

*(Interruptions)*

श्री राजनारायण : प्रेजिडेंट एक्सचेन्ज के द्वारा फोन कराये गये और उसका ब्यौर नहीं दिया गया है।

*(Interruptions)*

श्री समापति : आप बैठ जाइये।

श्री राजनारायण : अनलिस्टेड प्रेजिडेंट एक्सचेन्ज द्वारा जो टैलीफोन किये गये हैं उनका ब्यौरा यहां पर दिया जाना चाहिये।

श्री राजनारायण : मैं आप से रिक्वेस्ट कर रहा हूं कि हम प्राइम मिनिस्टर के गुलाम नहीं हैं प्राइम मिनिस्टर हमारे पैसे पर खर्च कर रही

है, जनता के पैसे पर खर्च कर रही है और उनके बाप की प्राइवेट कंपनी नहीं है।

MR. CHAIRMAN : [Question No. 676

SHRI RAJNARAIN : We are not : Slaves of the Prime Minister.

*(Interruptions)*

श्री समापति : अगर क्वेश्चन रैलिगेन्ट होगा तो एलाउ करूंगा।

MR. CHAIRMAN : No, I have ruled it out of order. But if you disobey my order .

*(Interruptions)*

SHRI SYED HUSSAIN: Sir, the remark of Shri Rajnarain must be expunged

*(Several hon. Members stood up)*

MR. CHAIRMAN: Please sit down everybody. Now, Mr. Bhargava.

श्री राजनारायण : सभी डिप्टी मिनिस्टर नहीं बनेंगे।

MR. CHAIRMAN : Next question, Mr. Bhargava.

#### TUBE WELLS IN U. P..

◆676. SHRI M. P. BHARGAVA : Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether there is any scheme for providing tube wells in those districts of U. P. which are experiencing water shortage;

(b) if so, the districtwise details in respect thereof and whether all the tube wells would be installed by Government or by private individuals; and

(c) the details of financial assistance in respect thereof and other facilities proposed to be given to individuals?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION (SHRI ANNASAHEB SHINDE) : (a) to (c) A statement giving the required information is placed on the Table of the Sabha.

*(Interruptions)*

MR. CHAIRMAN : Please sit down. Mr. Bhargava, next question.

MR. CHAIRMAN : I have called the next question. Please sit down.

MR. CHAIRMAN : Please sit down.

SHRI RAJNARAIN : Why should I sit

SHRI RAJNARAIN : Cent per cent relevant.